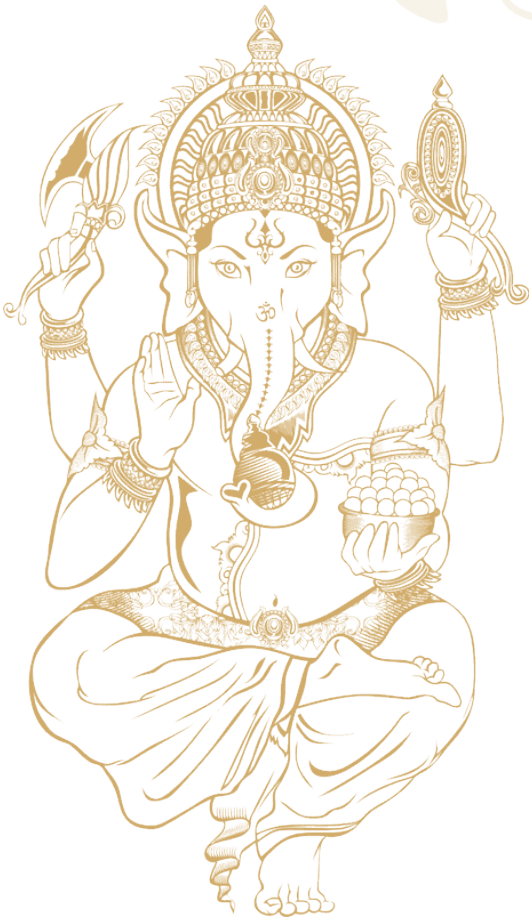

Mr.Raju Ram Sharma

23 Sep 1971

04:00 AM

Arki Fort

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120373501

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22-23/09/1971	जन्म तिथि	**22-23/09/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	03:20:24 घंटे
घटी 54:35:15	जन्म समय(घटी)	52:54:54 घटी
India	देश	India
Arki Fort	स्थान	Arki Fort
उत्तर 31:09:10	अक्षांश	31:09:10 उत्तर
पूर्व 76:57:57	रेखांश	76:57:57 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:53	सूर्योदय	06:10:26
18:19:52	सूर्यास्त	18:18:41
23:27:56	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03
सिंह	लग्न	कर्क
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
तुला	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	हस्त
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
वैधृति	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	बालव
रे-रेवती	जन्म नामाक्षर	ण--
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मघा	3	07:00:13	सिंह		
उ०फाल्गुनी	3	05:47:25	कन्या		
स्वाति	2	11:57:18	तुला		
श्रवण	3	19:36:12	मक		
पू०फाल्गुनी	3	23:02:54	सिंह		
अनुराधा	2	08:09:04	वृश्चि		
हस्त	1	12:51:49	कन्या		अ
रोहिणी	1	13:02:59	वृष	व	
श्रवण	4	20:01:51	मक	व	
आश्लेषा	2	20:01:51	कर्क	व	
हस्त	3	19:33:04	कन्या		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कर्क	28:37:03	4	आश्लेषा
सूर्य			कन्या	05:55:35	3	उ०फाल्गुनी
चंद्र			कन्या	18:06:50	3	हस्त
मंगल			तुला	06:10:22	4	चित्रा
बुध		अ	कन्या	13:38:12	2	हस्त
गुरु			मिथु	27:11:02	3	पुनर्वसु
शुक्र			सिंह	09:55:10	3	मघा
शनि	व		मीन	04:09:45	1	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:08:31	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:08:31	4	पू०फाल्गुनी
मु			कुंभ	07:00:13	1	शतभिषा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

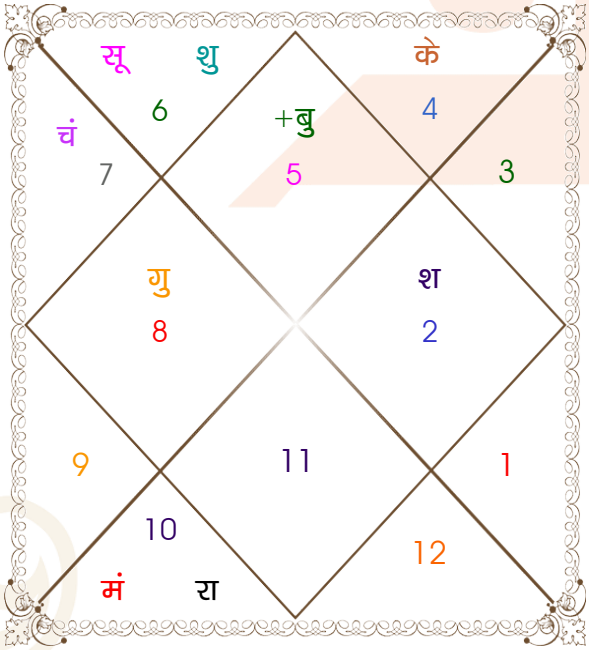

वर्ष लग्न कुंडली

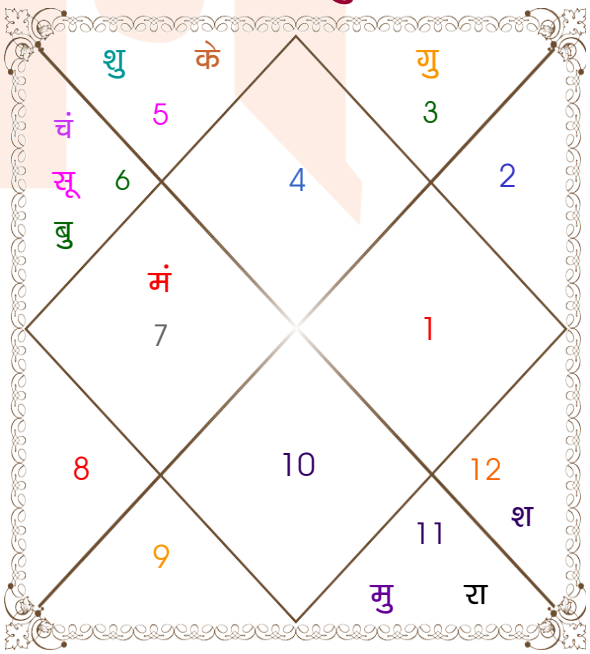

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

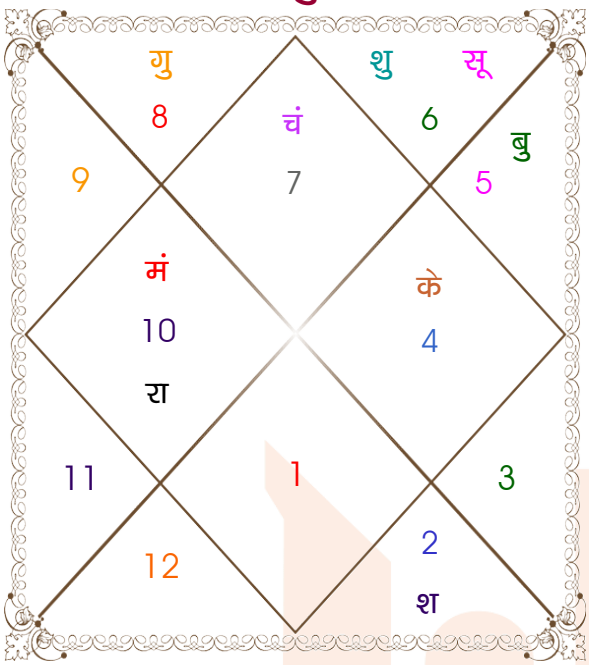

वर्ष चन्द्र कुंडली

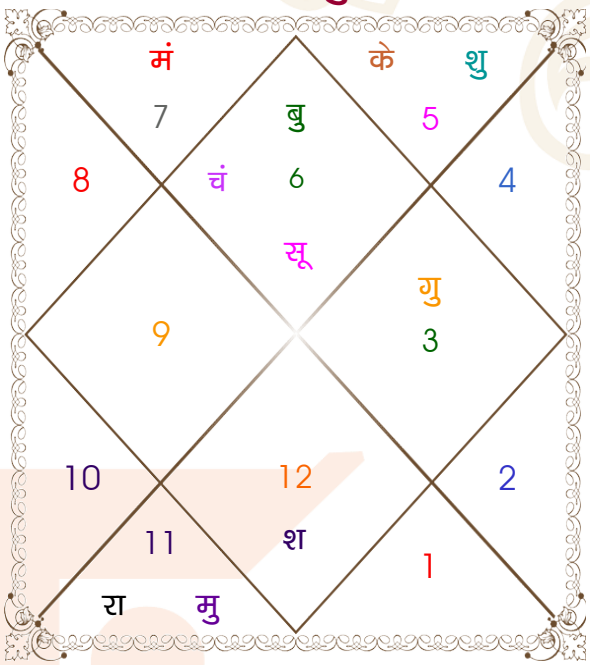

नवमांश कुंडली

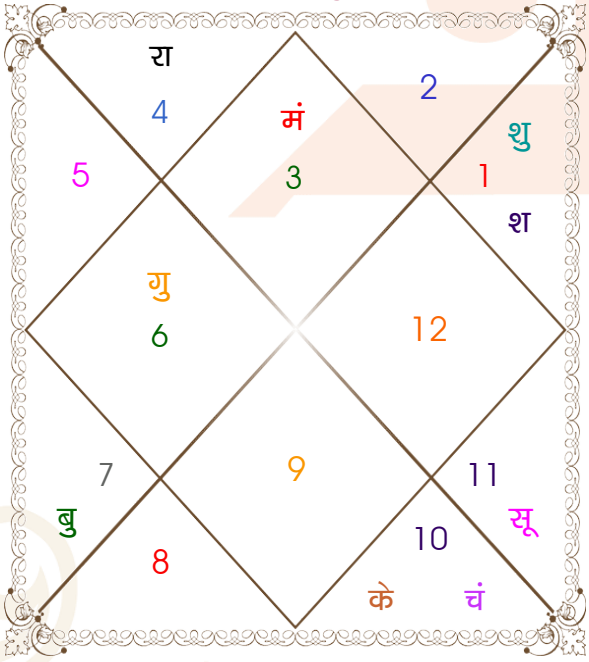

वर्ष नवमांश कुंडली

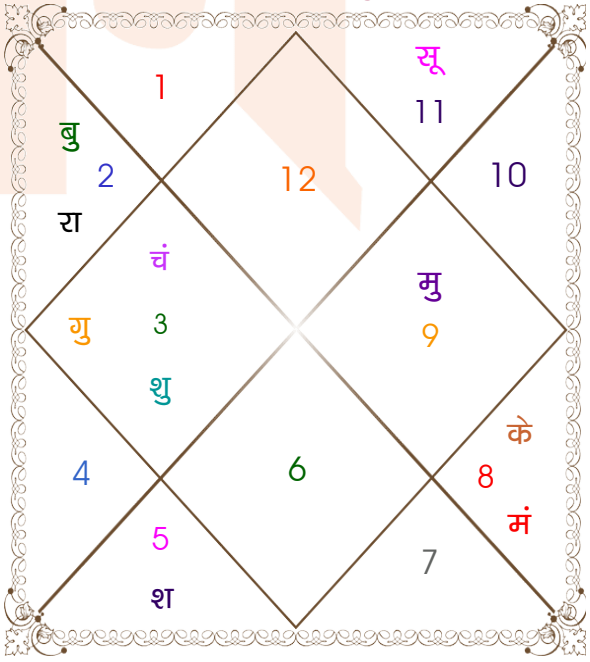

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	---	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
मंगल	सम	सम	---	सम	मित्र	मित्र	सम
बुध	शत्रु	शत्रु	सम	---	शत्रु	सम	शत्रु
गुरु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	---	सम
शनि	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कर्क	कन्या	कन्या	तुला	कन्या	मिथु	सिंह	मीन
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	सिंह	वृष	कर्क	वृष	सिंह	कुंभ	मक
चतुर्थांश	मेष	कन्या	मीन	तुला	धनु	मीन	वृश्चि	मीन
पंचमांश	वृश्चि	वृष	मक	कुंभ	मीन	तुला	कुंभ	वृष
षष्ठांश	मीन	वृश्चि	मक	वृष	धनु	कन्या	वृष	तुला
सप्तमांश	कर्क	मेष	कर्क	वृश्चि	मिथु	धनु	तुला	कन्या
अष्टमांश	वृश्चि	मिथु	कन्या	वृष	सिंह	धनु	तुला	मिथु
नवमांश	मीन	कुंभ	मिथु	वृश्चि	वृष	मिथु	मिथु	सिंह
दशमांश	धनु	मिथु	वृश्चि	धनु	कन्या	मीन	वृश्चि	धनु
एकादशांश	मेष	तुला	कुंभ	वृश्चि	मक	कुंभ	तुला	मीन
द्वादशांश	मिथु	वृश्चि	मेष	धनु	कुंभ	मेष	वृश्चि	मेष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	सम	शत्रु
होरा	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
द्रेष्काण	स्व	सम	सम	सम	शत्रु	सम	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
षष्ठांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	सम
सप्तमांश	सम	स्व	स्व	स्व	स्व	स्व	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु
नवमांश	शत्रु	शत्रु	स्व	सम	शत्रु	सम	शत्रु
दशमांश	शत्रु	सम	मित्र	स्व	स्व	मित्र	शत्रु
एकादशांश	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु
द्वादशांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
शुभ	1	1	9	3	6	7	1
सम	5	3	3	2	0	5	3
अशुभ	6	8	0	7	6	0	8
कुल	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	5	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	5	0	0	0
तृतीय बल	0	5	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	15	5	15	5	10	10
बल	अतिक्षीण	बली	क्षीण	बली	क्षीण	सामान्य	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	7.50	22.50	30.00	7.50	15.00	7.50
उच्च बल	3.79	4.99	7.57	19.85	19.13	5.23	5.09
हददा बल	3.75	3.75	7.50	3.75	3.75	15.00	7.50
द्रेष्काण	10.00	5.00	5.00	5.00	2.50	5.00	10.00
नवमांश	1.25	1.25	5.00	2.50	1.25	2.50	1.25
कुल	26.29	22.49	47.57	61.10	34.13	42.73	31.34
विंशोपक	6.57	5.62	11.89	15.27	8.53	10.68	7.84
बल	सामान्य	सामान्य	शुभ	बली	सामान्य	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	6.57	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	चंद्र	5.62	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	7.84	अतिशुभ	बुध
दिवापति	बुध	15.27	शुभ	
त्रिराशिपति	मंगल	11.89	अशुभ	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

शनि		सूर्य		मंगल		शुक्र		बुध	
23/09/2025		15/11/2025		07/12/2025		10/12/2025		27/01/2026	
15/11/2025		07/12/2025		10/12/2025		27/01/2026		16/03/2026	
शनि	30/09/2025	सूर्य	16/11/2025	मंगल	07/12/2025	शुक्र	17/12/2025	बुध	02/02/2026
सूर्य	04/10/2025	मंगल	16/11/2025	शुक्र	08/12/2025	बुध	23/12/2025	चंद्र	10/02/2026
मंगल	04/10/2025	शुक्र	19/11/2025	बुध	08/12/2025	चंद्र	30/12/2025	गुरु	25/02/2026
शुक्र	11/10/2025	बुध	22/11/2025	चंद्र	09/12/2025	गुरु	15/01/2026	लग्न	27/02/2026
बुध	18/10/2025	चंद्र	26/11/2025	गुरु	10/12/2025	लग्न	17/01/2026	शनि	06/03/2026
चंद्र	26/10/2025	गुरु	03/12/2025	लग्न	10/12/2025	शनि	24/01/2026	सूर्य	09/03/2026
गुरु	12/11/2025	लग्न	04/12/2025	शनि	10/12/2025	सूर्य	27/01/2026	मंगल	09/03/2026
लग्न	15/11/2025	शनि	07/12/2025	सूर्य	10/12/2025	मंगल	27/01/2026	शुक्र	16/03/2026

चंद्र		गुरु		लग्न		लग्न		लग्न	
16/03/2026		12/05/2026		05/09/2026		05/09/2026		05/09/2026	
12/05/2026		05/09/2026		23/09/2026		23/09/2026		23/09/2026	
चंद्र	25/03/2026	गुरु	18/06/2026	लग्न	06/09/2026	लग्न	06/09/2026	लग्न	06/09/2026
गुरु	12/04/2026	लग्न	23/06/2026	शनि	08/09/2026	शनि	08/09/2026	शनि	08/09/2026
लग्न	15/04/2026	शनि	10/07/2026	सूर्य	09/09/2026	सूर्य	09/09/2026	सूर्य	09/09/2026
शनि	23/04/2026	सूर्य	17/07/2026	मंगल	09/09/2026	मंगल	09/09/2026	मंगल	09/09/2026
सूर्य	26/04/2026	मंगल	18/07/2026	शुक्र	12/09/2026	शुक्र	12/09/2026	शुक्र	12/09/2026
मंगल	27/04/2026	शुक्र	02/08/2026	बुध	14/09/2026	बुध	14/09/2026	बुध	14/09/2026
शुक्र	04/05/2026	बुध	17/08/2026	चंद्र	17/09/2026	चंद्र	17/09/2026	चंद्र	17/09/2026
बुध	12/05/2026	चंद्र	05/09/2026	गुरु	23/09/2026	गुरु	23/09/2026	गुरु	23/09/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
23/09/2025		16/11/2025		04/01/2026		03/03/2026		24/04/2026	
16/11/2025		04/01/2026		03/03/2026		24/04/2026		15/05/2026	
राहु	01/10/2025	गुरु	23/11/2025	शनि	13/01/2026	बुध	10/03/2026	केतु	25/04/2026
गुरु	08/10/2025	शनि	01/12/2025	बुध	21/01/2026	केतु	13/03/2026	शुक्र	28/04/2026
शनि	17/10/2025	बुध	08/12/2025	केतु	25/01/2026	शुक्र	22/03/2026	सूर्य	30/04/2026
बुध	25/10/2025	केतु	10/12/2025	शुक्र	03/02/2026	सूर्य	25/03/2026	चंद्र	01/05/2026
केतु	28/10/2025	शुक्र	18/12/2025	सूर्य	06/02/2026	चंद्र	29/03/2026	मंगल	03/05/2026
शुक्र	06/11/2025	सूर्य	21/12/2025	चंद्र	11/02/2026	मंगल	01/04/2026	राहु	06/05/2026
सूर्य	09/11/2025	चंद्र	25/12/2025	मंगल	15/02/2026	राहु	09/04/2026	गुरु	09/05/2026
चंद्र	13/11/2025	मंगल	28/12/2025	राहु	23/02/2026	गुरु	16/04/2026	शनि	12/05/2026
मंगल	16/11/2025	राहु	04/01/2026	गुरु	03/03/2026	शनि	24/04/2026	बुध	15/05/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
15/05/2026		15/07/2026		02/08/2026		02/09/2026		02/09/2026	
15/07/2026		02/08/2026		02/09/2026		23/09/2026		23/09/2026	
शुक्र	25/05/2026	सूर्य	16/07/2026	चंद्र	05/08/2026	मंगल	03/09/2026	मंगल	03/09/2026
सूर्य	28/05/2026	चंद्र	17/07/2026	मंगल	06/08/2026	राहु	06/09/2026	राहु	06/09/2026
चंद्र	02/06/2026	मंगल	18/07/2026	राहु	11/08/2026	गुरु	09/09/2026	गुरु	09/09/2026
मंगल	06/06/2026	राहु	21/07/2026	गुरु	15/08/2026	शनि	12/09/2026	शनि	12/09/2026
राहु	15/06/2026	गुरु	24/07/2026	शनि	20/08/2026	बुध	15/09/2026	बुध	15/09/2026
गुरु	23/06/2026	शनि	26/07/2026	बुध	24/08/2026	केतु	16/09/2026	केतु	16/09/2026
शनि	03/07/2026	बुध	29/07/2026	केतु	26/08/2026	शुक्र	20/09/2026	शुक्र	20/09/2026
बुध	11/07/2026	केतु	30/07/2026	शुक्र	31/08/2026	सूर्य	21/09/2026	सूर्य	21/09/2026
केतु	15/07/2026	शुक्र	02/08/2026	सूर्य	02/09/2026	चंद्र	23/09/2026	चंद्र	23/09/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - चंद्र - शुक्र	
12/10/2025 06:31	
06/01/2026 12:16	
शुक्र	26/10/2025 15:29
सूर्य	30/10/2025 22:58
चंद्र	07/11/2025 03:27
मंगल	12/11/2025 04:11
राहु	25/11/2025 02:39
गुरु	06/12/2025 14:37
शनि	20/12/2025 06:19
बुध	01/01/2026 11:32
केतु	06/01/2026 12:16

बुध - चंद्र - सूर्य	
06/01/2026 12:16	
01/02/2026 09:12	
सूर्य	07/01/2026 19:19
चंद्र	09/01/2026 23:04
मंगल	11/01/2026 11:17
राहु	15/01/2026 08:25
गुरु	18/01/2026 19:13
शनि	22/01/2026 21:31
बुध	26/01/2026 13:29
केतु	28/01/2026 01:43
शुक्र	01/02/2026 09:12

बुध - मंगल - मंगल	
01/02/2026 09:12	
22/02/2026 12:17	
मंगल	02/02/2026 14:47
राहु	05/02/2026 18:50
गुरु	08/02/2026 14:27
शनि	11/02/2026 22:44
बुध	14/02/2026 22:35
केतु	16/02/2026 04:10
शुक्र	19/02/2026 16:40
सूर्य	20/02/2026 18:02
चंद्र	22/02/2026 12:17

बुध - मंगल - राहु	
22/02/2026 12:17	
17/04/2026 20:14	
राहु	02/03/2026 15:53
गुरु	09/03/2026 21:44
शनि	18/03/2026 12:12
बुध	26/03/2026 04:55
केतु	29/03/2026 08:59
शुक्र	07/04/2026 10:18
सूर्य	10/04/2026 03:30
चंद्र	14/04/2026 16:10
मंगल	17/04/2026 20:14

बुध - मंगल - गुरु	
17/04/2026 20:14	
05/06/2026 03:17	
गुरु	24/04/2026 06:46
शनि	01/05/2026 22:17
बुध	08/05/2026 18:29
केतु	11/05/2026 14:06
शुक्र	19/05/2026 15:17
सूर्य	22/05/2026 01:14
चंद्र	26/05/2026 01:49
मंगल	28/05/2026 21:26
राहु	05/06/2026 03:17

बुध - मंगल - शनि	
05/06/2026 03:17	
01/08/2026 11:40	
शनि	14/06/2026 05:13
बुध	22/06/2026 08:12
केतु	25/06/2026 16:30
शुक्र	05/07/2026 05:53
सूर्य	08/07/2026 02:42
चंद्र	12/07/2026 21:24
मंगल	16/07/2026 05:42
राहु	24/07/2026 20:09
गुरु	01/08/2026 11:40

बुध - मंगल - बुध	
01/08/2026 11:40	
21/09/2026 19:10	
बुध	08/08/2026 18:08
केतु	11/08/2026 17:58
शुक्र	20/08/2026 07:13
सूर्य	22/08/2026 20:48
चंद्र	27/08/2026 03:25
मंगल	30/08/2026 03:16
राहु	06/09/2026 19:59
गुरु	13/09/2026 16:11
शनि	21/09/2026 19:10

बुध - मंगल - केतु	
21/09/2026 19:10	
12/10/2026 22:16	
केतु	23/09/2026 00:45
शुक्र	26/09/2026 13:16
सूर्य	27/09/2026 14:37
चंद्र	29/09/2026 08:53
मंगल	30/09/2026 14:28
राहु	03/10/2026 18:31
गुरु	06/10/2026 14:08
शनि	09/10/2026 22:25
बुध	12/10/2026 22:16

बुध - मंगल - शुक्र	
12/10/2026 22:16	
12/12/2026 07:05	
शुक्र	22/10/2026 23:44
सूर्य	26/10/2026 00:10
चंद्र	31/10/2026 00:55
मंगल	03/11/2026 13:25
राहु	12/11/2026 14:45
गुरु	20/11/2026 15:55
शनि	30/11/2026 05:19
बुध	08/12/2026 18:34
केतु	12/12/2026 07:05

बुध - मंगल - सूर्य	
12/12/2026 07:05	
30/12/2026 09:44	
सूर्य	13/12/2026 04:49
चंद्र	14/12/2026 17:02
मंगल	15/12/2026 18:24
राहु	18/12/2026 11:35
गुरु	20/12/2026 21:33
शनि	23/12/2026 18:22
बुध	26/12/2026 07:56
केतु	27/12/2026 09:18
शुक्र	30/12/2026 09:44

बुध - मंगल - चंद्र	
30/12/2026 09:44	
29/01/2027 14:09	
चंद्र	01/01/2027 22:06
मंगल	03/01/2027 16:22
राहु	08/01/2027 05:01
गुरु	12/01/2027 05:37
शनि	17/01/2027 00:18
बुध	21/01/2027 06:56
केतु	23/01/2027 01:11
शुक्र	28/01/2027 01:56
सूर्य	29/01/2027 14:09

बुध - राहु - राहु	
29/01/2027 14:09	
18/06/2027 07:08	
राहु	19/02/2027 13:06
गुरु	10/03/2027 04:10
शनि	01/04/2027 07:03
बुध	21/04/2027 02:04
केतु	29/04/2027 05:39
शुक्र	22/05/2027 12:29
सूर्य	29/05/2027 12:08
चंद्र	10/06/2027 03:33
मंगल	18/06/2027 07:08

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
23/09/2025 03:20:24 से 23/10/2025 13:51:27 तक

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास
23/10/2025 13:51:27 से 23/11/2025 00:22:30 तक

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास
23/11/2025 00:22:30 से 23/12/2025 10:53:33 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा

जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास
23/12/2025 10:53:33 से 22/01/2026 21:24:36 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पंचम् मास
22/01/2026 21:24:36 से 22/02/2026 07:55:39 तक

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे

इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
22/02/2026 07:55:39 से 24/03/2026 18:26:42 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा। इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

सप्तम् मास
24/03/2026 18:26:42 से 24/04/2026 04:57:45 तक

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा

तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
24/04/2026 04:57:45 से 24/05/2026 15:28:48 तक

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

नवम् मास
24/05/2026 15:28:48 से 24/06/2026 01:59:51 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी

न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
24/06/2026 01:59:51 से 24/07/2026 12:30:54 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास
24/07/2026 12:30:54 से 23/08/2026 23:01:57 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे

मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास
23/08/2026 23:01:57 से 23/09/2026 09:33:00 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।